

KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

Scheme of Examination for B.A. Part-II in the Subject of Sanskrit (Compulsory) (Annual System, Distance Education Mode)

w.e.f. Session : 2014-2015

B.A. Part-II

w.e.f. Session : 2014-2015

SANSKRIT (COMPULSORY)

कुल अङ्क : 80

आन्तरिक मूल्याङ्कन : 20

समय : 3 घण्टे

घटक-I :	चारुदत्त (प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक) (सप्रसङ्ग व्याख्या/अनुवाद)।	16अङ्क
घटक-II :	चारुदत्त (प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक) (लेखक/पाठ्य पुस्तक से सम्बद्ध आलोचनात्मक प्रश्न, सार, चरित्र-चित्रण)।	16अङ्क
घटक-III :	(क) णिजन्त तथा सन्नन्त धातु- भू, पठ्, गम्, पा, लिख्, श्रु, स्था, हन्, दा, कृ। (केवल लट् लकार में सिद्ध रूप) (ख) कृदन्त-प्रकरण- शतृ, शानच्, तव्य, अनीयर्, यत्, तुमुन्, क्त, क्त्वा, क्तवतु, ण्वुल्।	8अङ्क 8अङ्क
घटक-IV :	(क) समास- अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व तथा बहुव्रीहि। (ख) अनुवाद- सरल हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद।	8अङ्क 8अङ्क

विशेष निर्देश-

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम 80 अङ्कों का होगा। 20 अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल पाँच प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 16 अङ्कों का होगा। प्रथम प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

B.A. Part-II (Annual System, DE Mode)
Sanskrit (Compulsory)

w.e.f. Session 2014-2015

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देश:-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

